that the transmission tlm~e in respect of children's programmes needs to be increased and adequate facilities made available for production of such programmes. This recommendation has been accepted by the Government.

(b) The responsibility for maintenance of community viewing TV 6ets including those installed in schools is primarily the responsibility of the State Governments/Unon Territory Administrations concerned. However, in some cases, maintenance is looked after by Doordarshan, which has been provided adequate facilities, to ensure their proper functioning.

(c) There is "ho such proposal is at present.

प्रतिभूति कागज मिल में उत्पादकता बोनस

1847. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1973 से प्रतिभूति कागज मिल में प्रोत्साहन उत्पादकता बोनस दिया जाता रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि मिल में एक सप्ताह में कार्य के घंटों की संख्या 44 है, यदि हां, तो प्रतिभूति कागज मिल में कार्य के घंटों की संख्या चार और घंटे निश्चित करने के क्या कारण है ; और

(ग) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों से लगभग 150 दैनिक वेतन पाने वाले कर्मकार प्रतिभूति कागज मिल में कार्य करते आ रहे हैं, यदि हां, तो उन्हें नियमित आधार पर नियुक्त न किये जाने के क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) प्रतिभूति कागज मिल में एक सामूहिक प्रोत्साहन योजना जून, 1972 में प्रारम्भ की गई थी । इसे अब अगस्त, 1985 से वापस ले लिया गया है ।

(ख) चूंकि कागज का उत्पादन एक लगातार जारी रहने वाली प्रक्रिया है, मिल में आठ-आठ घंटे की तीन पारियों में कार्य करने की आवश्यकता होती है जिसके फलस्वरूप प्रति सप्ताह प्रति पारी 48 घंटे काम होता है ।

(ग) प्रतिभूति कागज मिल में 55 दैनिक वेतन पाने वाले कामगार हैं जो पिछले तीन वर्षों से वहां काम कर रहे हैं उनको नियमित करने का प्रश्न, कार्य का मूल्यांकन करने, मानदण्ड निर्धारित करने और प्रोत्साहन योजना तैयार करने के लिए गठित अध्ययन दल की सिफारिशों के कार्यान्वियन के साथ जुड़ा हुआ है । प्रबंधकों और कर्मचारी संघ के बीच समझौता न हो पाने के कारण सिफारिशों का कार्यान्वियन सम्भव नहीं हो सका है ।

प्रतिभूति कागज मिल में जलाये गये कागजों की मात्रा

1848. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रति दिन भारत सरकार की इजाजत से प्रतिभूति कागज मिल में लगभग तीन टन कागज जलाया जाता है और लगभग 300 टन करोड़ रुपए मूल्य के कागज का करेंसी नोट छापने के लिए आयात किया जाता है और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या नष्ट किए जाने वाले कागज को फिर से लुगदी में बदल कर पुनः संसाधित किया जा सकता है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) चूंकि प्रतिभूति कागज का स्वदेशी उत्पादन आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है इसलिए पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग 484 लाख पौंड स्टर्लिंग मूल्य का